Roll No : .....

Total No. of Questions : **12** ] [ Total No. of Printed Pages : **3**

# APF–2009

## M.A. (Final) Examination, 2022

## HINDI

Paper - IV **(क)**

**(राजस्थानी भाषा और साहित्य)**

*Time : **3** Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**(खण्ड–अ)** **(अंक : 2 × 10 = 20)**

**नोट** :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

**(खण्ड–ब)** **(अंक : 8 × 5 = 40)**

**नोट** :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

**(खण्ड–स)** **(अंक : 20 × 2 = 40)**

**नोट** :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

**खण्ड–अ** प्रत्येक 2

1. सगळा **दस** सवालां रा जवाब देवणा है (सबद सीमा **50** सबद) :

   (i) "सुरंगी संस्कृति रा सैनाण" निबंध रा रचनाकार कुण है ?

   (ii) "लाख-पसाव" कांई है ?

   (iii) "धरमजुद्ध" किण विधा री रचना है ? नायिका रो नांव बताओ।

(iv) अचलदास खीची कठै राज करतो हो ?

(v) अचलदास खीची रै मा अर बाप रो नांव लिखो।

(vi) "क्रिसण रुकमणी री वेलि" मांय किण रस री प्रधानता है ?

(vii) रुकमणी किण देस री राजकुमारी ही ? पिता रो नांव बताओ।

(viii) "स्वतंत्रता री जोत" पोथी रा लेखक कुण है ?

(ix) "स्वतंत्रता री जोत" किण विधा री पोथी है ?

(x) "धरम जुद्ध" रै नारी पात्रा रा नांव लिखो।

**खण्ड–ब** प्रत्येक 8

**नोट** :– सात मांय सूं किणी **पांच** सवालां री व्याख्या करो (सबद सीमा **200** सबद) **:**

2. "मिनख नै या बात समझ लेणी चावै" क ईश्वर एक बार में एक हीज क्षण दे अर दूसरो क्षण देवा रै पैली, पैली दीधो थको क्षण पाछो लेई ले। इण वास्ते "समय" नै नष्ट नहीं करणौ चावै क्यूं'कै यो "समय" हीज जीवण निर्माण रो अेक अवयव है अर क्षण इण समय रौ सब सूं छोटो हिस्सो है। हर क्षण रो मिनख जदी ध्यान राखेगा तो समय रा दूजा हिस्सा सेकेण्ड, मिनट अर घंटा खुद ब–खुद मिनख रो ध्यान राखेगा।

3. मुडदां री बस्ती में किण सूं माफी मांगू, पैली अै धरम नै अधरम करण सारुं अधारै में काया नै चींथै, नै पछै खुद रै वरियोडै अधरम नै जाजम हैट दाबण सारुं उजाळै में उणी काया नै डांमण री बात करुं। अजे तांई म्हारी आत्मा असली है माफी मांगियां उण माथै डांम लाग जाई।

4. "इभ–कुंभ अंधारी, कुच सु कंचुकी,

कवच संभु काम कि कळह

मनु हरि–आगमि मंडप मंडे,

बंधण दीध कि बारिगह॥"

5. इसउ हिंदू राजा उपकंठि कउण छइ जिवइ मन वातिसाह को रसिवसी, कउण का माथाकई तइं खिसी ? कउण हइ दई रुठउ ? कउण को भाई विवाणी, जू सामउ रहइ अणी पाणी ? आजु तउ सातल कान्हउड़े नही, तिल्क छपरि तउ गहिलउतु नही, सीहउरि रहळु नही हठ कउ राउ हमीर आथम्यउ। अउर पातिसाह हुआ आला आगिलेरा, अर गल–गलेरा। त्यां तउ चउरासी द्रुग लिया था दिसड़इ पाडइ। यउ तउ सुरताण दूसरउ अलाउदीन, जिणी चडरासी द्रुग लिया था अेकइ रिहाडइ। तेणि पातिसाह आया सांतरि कुण सहई ? कुण सहिजइ ? कुण की जुकी, कुण की प्राप्ती ? कुण की माइ वियाणी जू सामउ रहइ अणी पाणी।

6. हुवै नी कदै किणी रा दास,

मनां रा मौजी सिंघ लंकाळ।

मस्त जीवण मस्तानो माण,

देख नै डरै उणां सूं काल॥

7. कामणी-कुच कठिण कपोळ करी किरि,

वैस नवी विधि वाणि वखाणि

अति स्यामता विराजति ऊपरी,

जोवण दाण दिखाळिया जाणि॥

8. "रुकमणी रै कागद रो सार आपरै आखरां मांय मांडो।"

**खण्ड-स** प्रत्येक 20

**नोट** :- नीचै लिख्योड़ा चार सवालां मांय सूं किणी **दोय** सवालां रा पडूत्तर देवो (सबद सीमा **500** सबद) :

9. अचलदास खीची री वचनिका रै आधार पर अचलदास रो चरित्र-चित्रण उकेरो।

10. "क्रियन रुकमणी री वेलि" रसा री त्रिवेणी है। इण कथन री उदाहरणां सागै विरोळ करो।

11. 'धरम जुद्ध' नाटक री नाटक रै तत्वां रै आधार पर समीक्षा करो।

12. "उत्तम खेती मध्यम बाण" निबंध रो सार आपरे सबदां मांय लिखो।